कच्छ पुनर्निर्माण: आपदा के बाद घरों के साथ संस्थाएं बनाना

समाचार-संदर्भ: 2026-11-17 | **प्रकाशन:** 17 नवंबर 2026
मुख्य परीक्षा: GS-III: आपदा प्रबंधन



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

यह भी पढ़ें: चक्रवात अकवान: 20 नवंबर को नेल्लोर-टुनी के बीच तट पार करने का पूर्वानुमान; तीन राज्यों में अलर्ट

खबरों में क्यों

17 नवंबर 2026 के अपने लेख में गुजरात के अधिकारी राजीव टोपनो ने 2001 के कच्छ भूकंप के बाद पुनर्निर्माण के अनुभव पर चर्चा की है। लेखक उस समय कच्छ के जिला विकास अधिकारी थे। उनका लेख एक प्रत्यक्ष सहभागी का अनुभव और व्यक्तिगत विश्लेषण है। इसे पूरे पुनर्निर्माण कार्यक्रम का स्वतंत्र मूल्यांकन नहीं मानना चाहिए।

लेख का केंद्रीय तर्क

टोपनो के अनुसार, पुनर्निर्माण में मालिक-आधारित मॉडल अपनाया गया: परिवार ने अपना घर बनाया और सरकार ने धन तथा तकनीकी सहायता दी। सहायता की अगली किस्त निर्माण में सत्यापित प्रगति से जोड़ी गई। उन्होंने गांवों के स्थानांतरण और गैर-सरकारी संस्थाओं की भागीदारी में ग्रामसभा की सहमति, क्षति-आकलन पर शिकायत के अवसर तथा स्थानीय जवाबदेही का उल्लेख किया है। ये विवरण लेखक के खाते के रूप में उद्धृत हैं।

इस मॉडल का विश्लेषण तीन सवालों से किया जा सकता है। क्या प्रभावित परिवार को डिजाइन और जरूरतों पर निर्णय का अवसर मिला? क्या तकनीकी सहायता ने सुरक्षित निर्माण सुनिश्चित किया? क्या किस्तों और निरीक्षण की व्यवस्था ने पुनर्निर्माण को समय पर आगे बढ़ाया? केवल मकानों की संख्या गिनना पर्याप्त मूल्यांकन नहीं होगा।

Build Back Better का अर्थ

आपदा से पहले की कमजोरियों को जस का तस बहाल करने के बजाय पुनर्निर्माण से जोखिम कम होना चाहिए। इसके लिए सुरक्षित निर्माण, आजीविका, सेवाओं तक पहुंच और स्थानीय संस्थाओं की तैयारी को साथ देखना होगा। मकान बन जाना और परिवार का सामान्य जीवन लौटना अलग परिणाम हैं।

लेख का व्यापक सबक है कि आपदा के दौरान सीखी गई प्रक्रियाएं स्थायी संस्थागत क्षमता में बदलें। मुख्य परीक्षा में इसे राज्य की समन्वय-क्षमता, स्थानीय भागीदारी, तकनीकी सहायता और सार्वजनिक धन की जवाबदेही से जोड़ें। लेखक के सकारात्मक आकलन के साथ स्वतंत्र मूल्यांकन की जरूरत भी रखें; किसी मॉडल की सफलता हर स्थान पर समान परिणाम की गारंटी नहीं है।

उत्तर में सावधानी

भूकंप के हताहतों या क्षतिग्रस्त घरों की सटीक संख्या यहां नहीं दोहराई गई है, क्योंकि उनका अलग प्राथमिक सत्यापन नहीं हुआ। लेख में बताए ऐतिहासिक संस्थागत वर्षों को भी इस लेख में स्वतंत्र आधिकारिक जांच के बिना परीक्षा-तथ्य की तरह नहीं रखा गया है। विश्लेषण का केंद्र निर्णय-प्रक्रिया है, अप्रमाणित संख्या नहीं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

मालिक-आधारित पुनर्निर्माण में सामुदायिक निर्णय और तकनीकी सुरक्षा को कैसे जोड़ा जा सकता है? (150 शब्द) (10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: पुनर्निर्माण को घरों के साथ आजीविका और संस्थागत क्षमता की बहाली के रूप में परिभाषित करें।

मुख्य भाग में: परिवार का निर्णय, तकनीकी सुरक्षा, चरणबद्ध सहायता, ग्रामसभा और शिकायत-निवारण का संतुलन समझाएं। सहभागी विवरण को स्वतंत्र मूल्यांकन से अलग रखें।

निष्कर्ष में: स्थानीय भागीदारी के साथ सार्वजनिक मानक और दीर्घकालीन जोखिम-कटौती पर जोर दें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

मालिक-आधारित पुनर्निर्माण क्या है?

इस लेख में परिवार द्वारा अपना घर बनाने और राज्य से वित्तीय व तकनीकी सहायता पाने का मॉडल।

क्या यह सरकारी योजना का स्वतंत्र ऑडिट है?

नहीं। समाचार-संदर्भ एक सहभागी अधिकारी का व्यक्तिगत लेख है।

Build Back Better को केवल मजबूत भवन तक सीमित करें?

नहीं। विश्लेषण में सेवाएं, आजीविका और जोखिम घटाने वाली संस्थागत क्षमता भी शामिल करें।

स्रोत

- indianexpress.com